आत्मदीप जलाकर चित्त की नकारात्मक वृत्तियों को शांत करें : दादी

ब्रह्माकुमारीज़ के मुख्यालय पांडव भवन, शांतिवन, ज्ञानसरोवर सहित सभी परिसरों में ज्ञान एवं दीपकों के रोशनी के साथ मनाया गया दीपावली महोत्सव

दीपावली के शुभ अवसर पर रोशनी से जगमगाया संस्थान का हर कोना

सुंदर गीत, संगीत, नृत्य से सुशोभित रही दीपोत्सव की महफिल

मंच पर दादी एवं वरिष्ठ भाई-बहनों द्वारा केक काटकर एवं कैंडल लाइटिंग कर मनाई गई दीपावली

पांडव भवन-माउण्ट आबू। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय की मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी दादी रतनमोहिनी ने कहा कि मन के तिमिर को समाप्त करने के लिए आत्मदीप को निरंतर प्रज्वलित करने की ज़रूरत है। दृढ़ संकल्प के साथ हम अपनी दिनचर्या के हर कार्य में अध्यात्म को जोड़ने का सूत्र सीख लें तो निश्चित रूप से जीवन में अविनाशी शांति परछाई की तरह सदा साथ रहेगी। यह उद्गार उन्होंने संगठन के अंतर्राष्ट्रीय मुख्यालय पांडव भवन में आयोजित कार्यक्रम में व्यक्त किये। उन्होंने कहा कि त्योहारों के वास्तविक रहस्य को समझने से आत्मदीप जलाकर चित्त की नकारात्मक वृत्तियों को शांत किया जा सकता है। मनुष्य चोले में मौजूद चेतना की शक्तियों को जागृत करने के लिए आत्मज्ञान से स्वयं को भरपूर करना होगा। संगठन की अतिरिक्त मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी ब्र.कु. जयंती दीदी ने कहा कि बिना किसी अर्थ के बीती बातों का चिंतन करने से ही जीवन में तनावजन्य परिस्थितियां पैदा होती हैं। स्वयं की आत्मिक शक्तियों पर ध्यान केन्द्रित करने से मन का अंधकार समाप्त हो जाता है। मन की अदम्य शक्तियां जागृत होने से ज़िन्दगी का हर पल बेहतर तरीके से उपयोग किया जा सकता है।

संयुक्त मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी ब्र.कु. मुन्नी दीदी ने कहा कि दीपों से प्रज्वलित दीपावली का त्योहार केवल धनोपार्जन के सम्पन्नता स्वरूप नहीं बल्कि आत्मावलोकन करते हुए आत्मदर्शन का दिवस है, जो जीवन में भलाई व बुराई का भेद बताता है। संगठन की संयुक्त मुख्य प्रशासिका ज्ञान सरोवर निदेशिका ब्र.कु. डॉ. निर्मला दीदी ने कहा कि अज्ञान अंधकार से जीवन में आने वाली समस्याओं के समाधान के लिए ज्ञान प्रकाश हमेशा प्रज्वलित रहना चाहिए।

संयुक्त मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी ब्र.कु. शशि दीदी ने कहा कि निराकार शिव ज्योतिबिंदू स्वरूप परमपिता का ध्यान करके उनके गुणों, दया, प्रेम, पवित्रता, आनंद, शांति, शक्ति को अपने जीवन में धारण करने से ही त्योहार की सार्थकता सिद्ध होगी। ज्ञान का दीप जलाने से ही पारिवारिक, सामाजिक, आर्थिक सभी प्रकार के भेदभाव समाप्त होंगे। इस अवसर पर संगठन के अतिरिक्त महासचिव ब्र.कु. बृजमोहन भाई, शिक्षा प्रभाग उपाध्यक्ष ब्र.कु. मृत्युंजय भाई, मीडिया प्रभाग अध्यक्ष ब्र.कु. करुणा भाई, ग्लोबल अस्पताल निदेशक डॉ. प्रताप मिड्ढ़ा, वरिष्ठ राजयोग प्रशिक्षिका ब्र.कु. शीलू दीदी, मलेशिया से आईं राजयोगिनी ब्र.कु. मीरा दीदी, जर्मनी से आईं राजयोगिनी ब्र.कु. सुदेश दीदी, समाज सेवा प्रभाग के राष्ट्रीय संयोजक ब्र.कु. अवतार भाई आदि उपस्थित रहे। कार्यक्रम में उमंग-उत्साह के साथ बड़ी संख्या में ब्र.कु. भाई-बहनें शामिल रहे।

'मास्टरिंग योर माइंड' व्याख्यान का आयोजन

राजयोगिनी ब्र.कु.आशा दीदी ने दिये मन को शांत और स्थिर रखने के टिप्स

लुधियाना-पंजाब। ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा विश्व शांति सदन, गांव झांडे,लुधियाना में 'मास्टरिंग योर माइंड' विषय पर आयोजित प्रेरणादायक व्याख्यान में ओ.आर.सी. गुरुग्राम की निदेशिका राजयोगिनी ब्र.कु.आशा दीदी ने कहा कि मन को दमन नहीं करना बल्कि सुमन बनाना है। इस तेज़ी से भागती दुनिया में मौन की शक्ति प्राप्त करने का एक ही तरीका है और वह है ईश्वर, सर्वोच्च शक्ति से जुड़ना। दीदी ने कहा कि आज हम अपने आंतरिक दोषों के प्रभाव में हैं और ईश्वरीय शक्तियों द्वारा हम अच्छे गुणों को प्राप्त करके ही इन दोषों से लड़ सकते हैं। कुमारी लावण्या ने सुंदर नृत्य प्रस्तुत कर सभी का स्वागत किया। ब्र.कु. नीलिमा दीदी ने मानव कल्याण की दिशा में ब्रह्माकुमारी संगठन के उद्देश्यों एवं किए गए कार्यों को साझा किया। लुधियाना उप-क्षेत्र प्रभारी ब्र.कु. सरस्वती दीदी ने सभी उपस्थित लोगों को धन्यवाद दिया एवं शुभकामनाएं दीं। इस कार्यक्रम में जज के.के. करीर, पुलिस कमिश्नर डॉ. कौशतूब शर्मा, पूर्व मेयर गोलवरिया जी, प्रतिष्ठित संस्थानों के प्रिंसिपल, दुर्गा माता मंदिर प्रधान, पिरामिड मेडिटेशन के ट्रस्टीज़, रामपाल आश्रम के सदस्य, काउंसलर्स तथा अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

नवा रायपुर में दीपावली मिलन समारोह

नवा रायपुर-छ.ग.। ब्रह्माकुमारीज़ के शांति शिखर रिट्रीट सेंटर में दीपावली मिलन समारोह बड़े ही हर्षोल्लास से मनाया गया। इस मौके पर गृह सचिव अरुण देव गौतम ने दीपावली की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि एक-एक दीप हमारे संकल्पों का प्रतीक है। मन में छाए हुए अज्ञान अंधकार को दूर करने से ही समाज के अंधकार को दूर किया जा सकता है। संस्थान की क्षेत्रीय निदेशिका राजयोगिनी ब्र.कु. कमला दीदी ने कहा कि बाहर के अंधकार को मिट्टी का दीपक जलाकर हम दूर कर सकते हैं किंतु अंतर्मन में छाए हुए अज्ञान अंधकार को दूर करने के लिए परमात्मा से सत्य ज्ञान लेकर हमें शुभ संकल्पों के दीप जलाने होंगे। ऐसे मनोपरिवर्तन से ही पृथ्वी पर स्वर्ग आएगा। जहाँ श्री लक्ष्मी और श्री नारायण का राज्य होगा। दीदी ने कहा कि इस समय परमपिता परमात्मा जो कि जन्म-मरण के चक्र में न आने के कारण सदा ही जागती ज्योति हैं, हम मनुष्य आत्माओं की ज्योति ज्ञान और योग से जगाकर पावन बना रहे हैं। दीपावली का त्योहार परमात्मा के इन्हीं कर्मों की यादगार है। कार्यक्रम में रायपुर के बाल कलाकारों(कुमारियों) ने मनभावन नृत्य और मनोरंजक सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत कर सभी को भाव विभोर कर दिया। इस अवसर पर स्थानीय गायिका कु.शारदा नाथ ने दीपावली की बधाई देते हुए सुंदर गीत गाया। इस मौके पर ब्र.कु. सविता दीदी सहित बड़ी संख्या में अन्य ब्र.कु. भाई-बहनें उपस्थित रहे।

तनाव को अलविदा करके सुख-शांति के लिए अपनायें राजयोगी जीवन शैली

ईश्वरानुभूति का अभाव ही अशांति का कारण : पूर्व मेयर

शुभ कर्मों के बीज जगत में बोने का यही समय : ब्र.कु. निर्मला दीदी

राँची-हरमू रोड(झारखण्ड)। मेडिटेशन अनुभूति से मनुष्य को अनेक प्रकार की शक्तियाँ प्राप्त होती हैं जिनसे सहज ही तनाव से मुक्ति पाई जा सकती है। इन शक्तियों के द्वारा मनुष्य रोग, शोक, चिंता व सर्व परेशानियों को जीत लेता है। उक्त उद्गार ब्रह्माकुमारीज़ के चौधरी बगान,हरमू रोड सेवाकेन्द्र में 'तनाव मुक्ति मेडिटेशन अनुभूति' राजयोग कार्यक्रम के उद्घाटन पश्चात् राँची के पूर्व मेयर उदय प्रताप सिंह ने व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि सहनशीलता ही हर समस्या का समाधान है। तनाव को अलविदा करके परिवार की दरारें दूर कर दें, तो सुखी परिवार बन जाए। अशांति का कारण ईश्वरानुभूति का अभाव है। ब्रह्माकुमारीज़ संस्थान में ईश्वर का सानिध्य मिलने से अकेलापन दूर होता है तथा सर्वशक्तिमान से कनेक्शन जुट जाने से राजयोगी जीवन का मार्ग प्रशस्त होता है। ग्रामीण बैंक के सहायक महाप्रबंधक अभय जी ने कहा कि अनेक बीमारियों का कारण तनाव है। आज के भौतिकवादी युग में इंसान ने स्वस्थ जीवन शैली को दरकिनार कर दिया है। वह नकारात्मक चीज़ों के वशीभूत हो गया है। ऐसे में सर्वोच्च दिल वाला परमात्मा ही है, उसको दिल देने से सभी बीमारियाँ दूर हो जाती हैं। ब्रह्माकुमारी संस्थान के मेडिटेशन से मानसिक एकाग्रता, आत्मविश्वास व सद्गुणों से युक्त व्यक्तित्व का विकास होता है। व्यवसायी व समाजसेवी मृत्युंजय जी ने कहा कि व्यर्थ चिंतन से दुःख, क्षोभ और तनाव पैदा होता है। मानव यदि संकीर्ण विचारों से ऊपर उठकर दूसरों के कार्य व्यवहार को साक्षी दृष्टि से देखे तो किसी से गिला-शिकवा न रहे। शांति, चैन, सुख की खोज में भटकते आदमी को परमात्म स्मृति की छत्रछाया ही सही रास्ता प्रदान करेगी। सेवाकेन्द्र संचालिका ब्र.कु. निर्मला दीदी ने कहा कि दुःखों को ज्ञान के सागर में डाल अपने हृदय को हल्का रखना चाहिए। मानसिक स्थिरता व एकाग्रता हेतु राजयोगी जीवन शैली लाभदायक है जो ब्रह्माकुमारीज़ सेवाकेन्द्र पर प्रतिदिन सिखाई जाती है। दीदी ने कहा कि महान योगी जंगल में नहीं जाते, संसार में रहते हैं। लेकिन सांसारिकता उनके मन में नहीं रहती। कर्मयोग की चर्चा करते हुए उन्होंने कहा कि संसार को सत्य शिक्षा तो केवल परमात्मा सदा शिव भगवान देते हैं और केवल वही इस सृष्टि परिवर्तन के संधिकाल में शुभ कर्म करने की विधि बताते हैं। शुभ कर्मों के बीज जगत में बोने का यही समय है। कार्यक्रम में समाजसेवी सुबोध मिश्रा तथा बड़ी संख्या में अन्य लोग उपस्थित रहे।